रिपोर्ट

गुरुनानक कॉलेज, धनबाद

-: हिंदी-विभाग द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन :-

वर्तमान में हिंदी के विस्तृत फलक को ध्यान में रखते हुए दिनांक 16 फरवरी 2022 को गुरुनानक कॉलेज, धनबाद के हिंदी-विभाग द्वारा **'विश्व स्तर पर हिंदी की दशा और दिशा : रोजगार के परिप्रेक्ष्य में'** विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का विधिवत उद्घाटन प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद के संबोधन से हुआ तथा हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. सोनू प्र. यादव ने मुख्य वक्ता का परिचय देते हुए, हिंदी भाषा किस प्रकार रोजगार का माध्यम बन सकती है - इसपर अपने विचारों को व्यक्त किया।

तत्पश्चात इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता श्री प्रशांत त्रिपाठी, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, ओएनजीसी क्षेत्रीय कार्यालय, मुम्बई, ने विभिन्न पहलुओं को उजागर किया। आज के बदलते तकनीकी परिवेश में हिंदी युवाओं के लिए रोजगार के सुनहरे द्वार खोल रही है, इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से उन्होंने बताया कि विभिन्न सरकारी विभागों में, पत्रकारिता में, समाज सेवा के क्षेत्र (एनजीओ, स्वास्थ्य उद्योग, मानव अधिकार एजेंसी) में, अन्य सरकारी, अर्धसरकारी संगठनों एवं कंपनियों में, राजभाषा अधिकारी के रूप में, कर्मचारी चयन आयोग में, केंद्रीय-राजकीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थानों में हिंदी प्राध्यापक के रूप में तथा हिंदी अनुवादक के रूप में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने यह भी बताया कि किन-किन विश्वविद्यालयों में हिंदी अनुवाद का पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है और आज के हिंदी भाषा के विद्यार्थी किस प्रकार सुविधाजनक रूप से हिंदी टाइपिंग कर सकते हैं। इस व्याख्यान में कॉलेज के शासकीय निकाय के अध्यक्ष सरदार आर.एस.चहल और प्राचार्य डॉ. संजय प्रसाद की गरिमामय उपस्थिति रही। साथ-ही-साथ प्रो. डॉ रंजना दास (प्रो. इंचार्ज महिला शाखा) , प्रो. अमरजीत सिंह(प्रो. इंचार्ज बॉयज़ विंग)प्रो. मीना मालखंडी,प्रो. संतोष कुमार,प्रो. नीता ओझा, प्रो. सरिता मदेसिया,प्रो. पीयूष अग्रवाल, प्रो. चिरंजीत अधिकारी,प्रो. अनुराधा सिंह तथा हिंदी-विभाग से प्रो. पिंकी कुमारी, प्रो. कुमारी नीतू और प्रो. सिमरन श्रीवास्तव समेत 101 छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. सोनू प्र. यादव ने किया और तकनीकी सहयोग साधन मिश्रा ने दिया। कार्यक्रम की समाप्ति प्रो. पिंकी कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन से किया।